Seat No. : _____

MB-118

March-2019

M.A., Sem.-III

502 : Hindi

(काव्यशास्त्र–सृजन और सौन्दर्य)

Time : 2:30 Hours] **[Max. Marks : 70**

सूचना : (1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्धारित क्रम के अनुसार ही लिखें ।

(2) निम्नलिखित प्रश्न 1 और 2 (ब) में से किन्हीं **चार** तथा प्रश्न 3 और 4 (ब) में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर विकल्प चुनकर या **एक–दो** वाक्य में दीजिए ।

1. (अ) रस–निष्पत्ति की प्रक्रिया को समझाइए । **14**

अथवा

आचार्य भरत के रससूत्र की व्याख्या कीजिए ।

(ब) (1) आ. अभिनव गुप्त ने 'नाट्यशास्त्र' ग्रंथ की विस्तृत टीका के रूप में किस ग्रंथ की रचना की ? **4**

(a) अभिनव भारत (b) भारत भारती (c) नाट्यशास्त्र (d) अभिनव भारती

(2) भुक्तिवाद का दूसरा नाम है –

(a) भोगवाद (b) भौगोलिकवाद (c) भुगतानवाद (d) इनमें से कोई नहीं

(3) भरत के रससूत्र में प्रमुख दो शब्द कौन से हैं ?

(a) संयोग और निष्कर्ष (b) संयोग और विभाव

(c) संयोग और निष्पत्ति (d) संयोग और संचारीभाव

(4) किस आचार्य ने अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए चित्र–तुरंग न्याय का उदाहरण दिया ?

(5) रस निष्पत्ति की चर्चा आ. भरत ने किस ग्रंथ में की है ?

(6) किस आचार्य ने 'निष्पत्ति' का अर्थ 'उत्पत्ति' किया ?

2. (अ) "कल्पना सृजन है तो ललित कल्पना पुनःप्रस्तुति" इस कथन को ध्यान में रखकर कल्पना की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए । **14**

अथवा

विरेचन की प्रक्रिया को समझाइए ।

(ब) (1) प्रतिभा का दूसरा नाम है – **4**

(a) निपुणता (b) शक्ति (c) अभ्यास (d) इनमें से कोई नहीं

(2) कॉलरिज का महत्त्वपूर्ण प्रदान है –

(a) उदात्त के स्रोत (b) मूल्य सिद्धांत का वर्गीकरण

(c) बिम्बों का वर्गीकरण (d) कल्पना का वर्गीकरण

(3) 'कैथार्सिस" का व्युत्पत्तिपरक अर्थ है –

(a) शुद्धिकरण (b) बुद्धिकरण (c) कथक नृत्य (d) रंगमंच

(4) 'लोकमंगल' शब्द को विशिष्ट अर्थ देने का श्रेय हिन्दी के किस आचार्य को है ?

(5) 'साधारणीकरण' की बात किस आचार्य ने सबसे पहले की ?

(6) किस आचार्य ने कहा "शक्तिः कवित्व बीज रूपः संस्कार विशेषः" ?

3. (अ) शब्दशक्ति की व्याख्या देते हुए शब्दशक्ति के प्रमुख भेदों को उदाहरण सहित समझाइए । **14**

अथवा

छंद और कविता के अन्तःसंबंध को स्पष्ट कीजिए ।

(ब) (1) काव्य में अलंकारों के प्रमुख प्रकार हैं – **3**

(a) शब्दार्थ–अर्थात् (b) शब्दजगत–अर्थजगत

(c) शब्दालंकार–अर्थालंकार (d) शब्दालंकार–भावालंकार

(2) साक्षात् सांकेतित अर्थ का बोध करानेवाले व्यापार को कौन सी शब्दशक्ति कहते हैं ?

(a) अभिधा शब्दशक्ति (b) लक्षणा शब्दशक्ति

(c) व्यंजना शब्दशक्ति (d) इनमें से कोई नहीं

(3) काव्य विधान के लिए उपयुक्त शब्दों की लययुक्त व्यवस्था का नाम ही –

(a) गुण है (b) बिम्ब है (c) प्रकृति है (d) छंद है

(4) Image का हिन्दी रूप लिखिए ।

(5) किस आचार्य ने कहा 'दोष–विपर्यय ही गुण है' ।

4. (अ) इलियट के काव्य–भाषा संबंधी चिंतन को स्पष्ट कीजिए । **14**

अथवा

काव्य भाषा एवं काव्यात्मक भाषा के अंतर को स्पष्ट कीजिए ।

(ब) (1) इलियट की भाषा सम्बन्धी अवधारणा पर किन दो आलोचकों का गहरा प्रभाव है ? **3**

(a) जॉनसन तथा राजशेखर (b) दाँते तथा वर्ड्सवर्थ

(c) इलियट तथा ह. द्विवेदी (d) रा. शर्मा तथा इलेनी शोवॉल्टर

(2) वर्ड्सवर्थ का उनके समकालीन किस आलोचक के साथ भाषा संबंधी तीव्र मतभेद था ?

(a) प्लेटो (b) अरस्तू (c) कॉलरिज (d) कांट

(3) भाव और संवेदना की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति –

(a) बिम्ब में हो सकती है । (b) भाषा में ही हो सकती है ।

(c) अलंकारों में हो सकती है । (d) छंदों में हो सकती है ।

(4) 'वक्रोक्तिजीवितम्' ग्रंथ के रचनाकार कौन हैं ?

(5) बाल रामायण, बाल भारत, काव्य मीमांसा किस संस्कृत कवि की रचनाएँ हैं ?